Publication Date 01.09.2024
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 20
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 55 | अंक 09 | 01 सितम्बर, 2024 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओं

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

सम्पादकीय

पर्यावरण का महत्व

पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों से मिल कर हुआ है, ''परि'' जो हमारे चारों ओर है ''आवरण'' जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है, अर्थात पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समष्टिगत एक इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं। पर्यावरण वह है जो कि प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है और हमारे चारों तरफ वह हमेशा व्याप्त होता है।

सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों, तथ्यों, प्रक्रियाओं और घटनाओं के समुच्चय से निर्मित इकाई है। यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी के अन्दर सम्पादित होती है तथा हम मनुष्य अपनी समस्त क्रियाओं से इस पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं। इस प्रकार एक जीवधारी और उसके पर्यावरण के बीच अन्योन्याश्रय संबंध भी होता है। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े–मकोड़े, सभी जीव–जंतु और पेड़–पौधे आ जाते हैं और इसके साथ ही उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएँ और प्रक्रियाएँ भी आ जाती है।

पर्यावरणीय समस्याएँ जैसे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवनशैली के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं और अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की चर्चा है। मनुष्य वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से अपने द्वारा किये गये परिवर्तनों से नुकसान को कितना कम करने में सक्षम है, आर्थिक और राजनैतिक हितों की टकराव में पर्यावरण पर कितना ध्यान दिया जा रहा है और मनुष्यता अपने पर्यावरण के प्रति कितनी जागरूक है, यह वर्तमान में ज्वलंत प्रश्न हैं। सभी प्रकार के प्रदूषण से बचने के लिए यदि थोड़ा सा भी उचित दिशा में प्रयास करें तो पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

हमारा पर्यावरण केवल पेड़ों, नदियों और जानवरों का संग्रह नही है, यह हमारे अस्तित्व का आधार है। सभी जीवित चीजों के परस्पर संबंध को समझना और पृथ्वी के संरक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी को पहचानना आवश्यक है। संधारणीय प्रथाओं को अपनाकर, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देकर, प्रभावी नीतियों को लागू करके और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकी को अपनाकर, हम अपने ग्रह को स्वथ्य बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हरकोफैड ने प्रण लिया है :–

पर्यावरण बचाना है यही है नारा हमारा।
प्रकृति का सरंक्षण करें मिटा दें दुख का अंधियारा।
संपूर्ण देश में सुख का प्रकाश जलाना है।
पर्यावरण बचाना है हमें पर्यावरण बचाना है।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
अंकुर गुप्ता, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
सुमन बल्हारा
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

सोच का फर्क होता है वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाती है।

–स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

हरियाणा विधानसभा चुनावों में बनाए गये 20629 पोलिंग बूथ 4

एक पेड़ शहीदों के नाम 5-6

श्रीमती सरीता राठी उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया 6

खरीफ फसलों की खरीद 7

दि हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि0, चण्डीगढ़ 8

हरकोफैड की निदेशक मण्डल की बैठक में पारित रेजुलेशन 9

Article 10

गीत I HATE POLYTHENE 11

सिधार्थ शर्मा सहकारिता विभाग 12

शोक सूचना 12

विकसित व आत्मनिर्भर भारत का मार्ग है : स्वदेशी 13

मेथी की काश्त 14-15

कहानी पागल 16-18

विज्ञापन 19

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

- हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए प्रदेश में बनाए गये 20629 पोलिंग बूथ
- प्रदेश के दो करोड़ से अधिक मतदाता कर सकेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग
-उम्मीदवार के चुनावी खर्च की सीमा होगी 40 लाख रुपये
-उम्मीदवारों को अपराधिक पृष्टभूमि की जानकारी करनी होगी सार्वजनिक
- पंकज अग्रवाल, भा.प्र.से., मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा

चण्डीगढ़, 20 अगस्त :– हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने कहा कि भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा हरियाणा विधानसभा के आम चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके लिए 5 सितम्बर, 2024 को अधिसूचना जारी की जाएगी।

उन्होंने यह बात आज यहां पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन पत्र 12 सितम्बर, 2024 तक भरे जा सकते हैं, 13 सितम्बर, 2024 को नामांकन पत्रों की समीक्षा की जाएगी, 16 सितम्बर, 2024 तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। प्रदेश में मतदान 5 अक्तूबर, 2024 को होगा और मतगणना 8 अक्तूबर, 2024 को होगी।

उन्होंने बताया कि 27 अगस्त, 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि पहली जुलाई, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है तो वे सम्बन्धित बी.एल.ओ. से सम्पर्क करें और निर्धारित फार्म भरकर अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं। निर्वाचन आयोग ने बताया कि वोट बनवाने की तिथि को वर्ष में चार बार किया गया है जो पहले हर वर्ष 1 जनवरी को अर्हता तिथि निर्धारित थी, लेकिन अब 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्तूबर को वोट बनवाने की तिथि निर्धारित की गई है। फिर भी अगर 27 अगस्त को प्रकाशित विशेष संसोधित मतदाता सूची में नाम नहीं है तो वे बी.एल.ओ. से सम्पर्क कर फार्म 6 भरकर अपना वोट बनवा सकते है। नामांकन पत्र लेने की अंतिम तिथि 12 सितम्बर है, अंतिम तिथि से 10 दिन पहले यानि 2 सितम्बर तक वोट बनवाने के लिए आवेदन कर सकते है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 2,03,27,631 वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे, जिसमें से 1,08,19,021 पुरूष, 95,08,155 महिलाएं और थर्ड जेंडर 455 मतदाता है। उन्होंने बताया कि 18 से 19 आयु वर्ग के 4,82,896 युवा मतदाता है। इसी प्रकार, 1,49,387 दिव्यांग मतदाता, 85 वर्ष से अधिक आयु के 2,42,818 मतदाता हैं। इसके अलावा, 100 वर्ष से अधिक के मतदाताओं की संख्या 9,554 है। इसी प्रकार, 20 से 29 आयु वर्ग के 41,52,806 मतदाता है।

श्री पकंज अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में इस बार 20629 पोलिंग बूथ होंगे, जिसमें से शहरी क्षेत्र में 7132 तथा ग्रामीण क्षेत्र में 13497 पोलिंग बूथ होंगे। यह पोलिंग बूथ प्रदेश के 10495 स्थानों पर बनाए गए है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 90 विधानसभा क्षेत्र है जिनमें से 17 विधानसभा क्षेत्र आरक्षित है। इसके अलावा, उम्मीदवार चुनाव में 40 लाख रूपये तक खर्च कर सकता है, इसके लिए उसे अलग से बैंक खाते की जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से जानकारी देनी होगी। इसके अलावा, चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों व राजनैतिक पार्टियों को अपने उम्मीदवारों की अपराधिक पृष्टभूमि की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी, जो उन्हें समाचार पत्रों व टीवी न्यूज चौनल पर 3 बार प्रकाशित करवानी होगी। यह 16 अगस्त से 30 सितम्बर तक देनी होगी। इसके अतिरिक्त, राजनैतिक पार्टियों को इनकी जानकारी अपनी अधिकारिक वैबसाइड पर देनी होगी।

उन्होंने बताया कि उम्मीदवार चुनावी रैली, रोड शो, हेलीपैड इत्यादि के लिए अनुमति सुविधा ऐप्प के माध्यम से ले सकता है। इसके अतिरिक्त, केवाईसी ऐप्प के माध्यम से मतदाता अपने उम्मीदवार की पृष्टभमि के बारे जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, दिव्यांगजन मतदाताओं के पंजीकरण की सुविधा के लिए सक्षम ऐप्प बनाया गया है।

हरकोफैड द्वारा राजकीय बहुतकनीकी संस्थान पंचकुला में एक पेड़ शहीदों के नाम किया गया पौधा रोपण

दिनांक 21 अगस्त 2024 को पर्यावरण को बचाने एवं इसके महत्व को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हरकोफैड द्वारा राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सैक्टर 26, पंचकूला में एक पेड़ शहीदों के नाम पौधा रोपण का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग, हरियाणा के मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राजिन्द्र कुमार मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में पौधा रोपण कार्यक्रम की शुरूआत की। इनके अलावा कार्यक्रम में हरकोफैड की प्रबंध निदेशक, श्रीमती सुमन बल्हारा, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सैक्टर 26, पंचकूला के प्रधानाचार्य, श्री दलजीत सिंह एवं उनके संस्थान के सभी अध्यापक उपस्थित रहे। पौधा रोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की जड़ी बुटियों और खुशबूदार फूलों के पौधे लगाए गए जिसमें रूद्राक्ष, हार–श्रंगार और मोगरा आकर्षण का केंद्र बनें।

कार्यक्रम में बत्तौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे सहकारिता विभाग, हरियाणा के मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राजिन्द्र कुमार मलिक ने समाज को यह संदेश दिया कि पर्यावरण को बचाना वर्तमान में एक ज्वलंत मूद्दा बना हुआ है और इसकी रक्षा करना हम सब का परम कर्तव्य है। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सैक्टर 26 पंचकूला, के प्रधानाचार्य, श्री दलजीत सिंह जी ने कहा कि सभी को पौधा तो लगाना ही चाहिए लेकिन उस पौधे की देखभाल करना अति आवश्यक है। यदि हम पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने में कोताही बरतते हैं तो पौधा रोपण करने का कोई खास महत्व नहीं रहता। इस समय पर जब पर्यावरण खतरे में नजर आ रहा है और पेड़ों को बचाने के लिए सब संभव प्रयास कर रहें हैं तब हरकोफैड द्वारा पौधा रोपण जैसे कार्यक्रम को आयोजित करना बेहद सराहनीय है और

बहुतकनीकी संस्थान द्वारा हराकोफैड का धन्यवाद भी किया गया कि उन्होंने इस कार्यक्रम की शुरूआत राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सैक्टर 26, पंचकूला से की। इस अवसर पर हरकोफैड की प्रबन्ध निदेशक श्रीमती सुमन बल्हारा द्वारा भी संदेश दिया गया कि हमें अपने आस पास लगे पोधों की देखभाल के साथ–साथ सफाई का भी ध्यान रखना है ओर प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल बंद करना हैं। उनका कहना है कि हरकोफैड न केवल एक बार बल्कि समय–समय पर हरियाणा के प्रत्येक जिले में ऐसे पौधा रोपण के कार्यक्रम आयोजित करेगा ओर पर्यावरण को बचाने में अपनी अहम भागीदारी निभाएगा।

कार्यक्रम की संयोजक एवं हरकोफैड की शिक्षा अनुदेशक, पंचकूला श्रीमती निधि मलिक ने भी बताया कि वह सहकारिता के माध्यम से पर्यावरण को बचाने एवं समाज में इसके महत्व को जन–जन तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगी। कार्यक्रम में हरकोफैड की प्रचार अधिकारी, श्रीमती अनुपमा कोहर सहित समस्त संस्था के कर्मचारियों ने भाग लिया और पर्यावरण को बचाने की शपथ ली।

श्रीमती सरिता राठी उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया के पद पर पदोन्नित हुई

सहकारिता विभाग में कार्यरत सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, श्रीमती सरिता राठी को पदोन्नति उपरान्त उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया रोहतक का कार्यभार सौंपा गया। श्रीमती सरिता राठी का जन्म 07–02–1975 को पानीपत शहर में हुआ था। स्नातक तक की पढ़ाई उन्होनें पानीपत में ही प्राप्त की एवं स्नातकोत्तर, रसायन शास्त्र की शिक्षा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्राप्त की। सहकारिता विभाग में आने से पूर्व उन्होने विभिन्न संस्थाओं में शिक्षक के रूप में कार्य किया।

सन् 1988 में इन्होने National Eligibility Test भी पास

किया । दिनांक 12 जनवरी, 2011 को इन्होने सहायक रजिस्ट्रार ज्वाइन किया तथा बत्तोर सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झज्जर, बहादुरगढ़ और गोहाना में कार्य किया। सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां रहते हुए इनकी कार्यशैली बेहद सराहनीय रही । दिनांक 7 अगस्त, 2024 को श्रीमती सरिता राठी ने उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, रोहतक के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

खरीफ फसलों की खरीद की तैयारियों का लिया जायजा, लगभग 60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य - डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़, 21 अगस्त :– हरियाणा राज्य में आगामी खरीफ खरीद सीजन 2024–25 के दौरान खरीफ की फसलों की खरीद की तैयारियों का जायजा लेने हेतू खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज राज्य की सभी खरीद संस्थाओं, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा भारतीय खाद्य निगम, पंचकूला के प्रमुखों व राज्य के राईस मिल्ज़ के प्रधानों के साथ एक बैठक की।

बैठक के दौरान फसलों की खरीद से सम्बन्धित व्यवस्थाओं जैसे लकडी की चौखटें व बोरियों तथा भण्डारण क्षमता, परिवहन से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई ताकि राज्य में खरीफ खरीद सीजन 2024–25 के दौरान फसलों की खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। राज्य के राईस मिल्ज़ के प्रधानों को आश्वासन दिया गया कि उन्हें आगामी खरीफ खरीद सीजन में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बैठक में बताया गया कि राज्य के किसानों द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर उनकी फसलों के पंजीकरण उपरांत उनकी फसलों की खरीद व भुगतान से सम्बन्धित पूर्ण कार्य ऑनलाईन ई–खरीद पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। इसके अतिरिक्त खरीफ की फसलों की खरीद के लिए राज्य की

मण्डियों में बारदाना तथा भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था है।

राज्य में केन्द्रीय पूल में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत 1.52 लाख एम.टी तथा राज्य सरकार के पूल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए 2.31 लाख एम.टी कुल 3.83 लाख एम.टी. बाजरे तथा लगभग 60.00 लाख एम.टी धान की खरीद करने बारे लक्षय निर्धारित किया गया है। खरीफ खरीद सीजन 2024–25 के दौरान भारत सरकार द्वारा धान की खरीद के लिए कॉमन वैरायटी का 2300/– रूपये व ग्रेड–ए वैरायटी का 2320 रूपये प्रति क्विंटल तथा बाजरे के लिए 2625/–रूपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

राज्य में खरीफ खरीद सीजन 2024–25 के दौरान फसलों की खरीद के लिए धान, बाजरा, मक्का, मूंग, मूंगफली, तिल, अरहर तथा उड़द के लिए क्रमशः 241, 91, 19, 38, 7, 27, 22 व 10 मण्डियां / खरीद केन्द्र खोले गए हैं। डॉ सुमिता मिश्रा ने निर्देश दिए कि सभी मण्डियां खरीद केन्द्र में मूलभूत सुविधाएं जैसे कि मंडियों में हैल्पडेस्क बनाए जाये, पेयजल व शौचालय की भी व्यवस्था की जाये तथा मंडियों में सीसीटीवी कैमरे, इलेक्ट्रोनिक वेटब्रिज की भी व्यवस्था करवाने हेतू सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिए गए है।

बैठक में जानकरी दी गई कि किसानों की सुविधा के लिए हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला के कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर 1800–180–2600 स्थापित किया गया है।

बैठक में हैफेड के प्रबंधक निदेशक श्री जे. गणेशन, हरियाणा राज्य भण्डारण निगम के प्रबंध निदेशक श्री के. मकरंद पाण्डुरंग, भारतीय खाद्य निगम, हरियाणा मण्डल, पंचकूला की महाप्रबंधक श्रीमति शरणदीप कौर बराड़, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक श्री राज नारायण कौशिक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री मुकुल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दि हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि0, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ : 15.08.2024 को भारत के 78 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आजादी के पर्व को हरको बैंक में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया । इस अवसर पर डॉ. प्रफुल्ल रंजन प्रबंध निदेशक / मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मुख्यालय के सम्मुख राष्ट्रगान के साथ ध्वजारोहण किया, जिसमें श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, श्रीमती उर्वशी गुप्ता, सुधा शर्मा, श्री जयपाल सिंह, प्रबंधक व अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण सम्मिलित हुये।

डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि आजादी का यह पर्व सभी जनमानस में नई उर्जा एवं चेतना का संचार करता है। अतः इसी उर्जा को हमें भी आत्मसात् करते हुये नई चुनौतियों का सामना करना है। डॉ. रंजन ने बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों का आहवान करते हुये कहा कि हमें बैंक के नव उन्नत नेतृत्व तथा सामुहिक प्रयास से बैंक को 100 करोड़ रूपये के लाभ के लक्ष्य को हासिल करते हुये नई उंचाईयों पर ले जाना होगा, जिसके लिये सभी का प्रतिबद्ध होकर कार्य करना अति आवश्यक है, उन्होंने यह भी कहा कि बैंक को अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने ग्राहकों को अच्छी व त्वरित सेवाएं देने का संकल्प लेना होगा । डॉ. रंजन ने आगे कहा कि बैंक के सभी कर्मचारी अपने–अपने स्तर पर छोटे–छोटे योगदान करें और देश के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में सहयोग करें । इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से प्रबंध निदेशक महोदय को बैंक की प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आश्वासन दिलाया तथा देश के वीर जवानों को उनके द्वारा दिये गये बलिदानों के लिए याद किया गया ।

अंत में डॉ. रंजन ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुये उनको नमन किया और इस अवसर पर सम्मिलित होने के लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद किया ।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0
बेज नं0 49–52, सैक्टर–02, पंचकूला

दूरभाष नं0: 0172–2560340, फैक्सः 0172–2560332
ई–मेलः- harcofed@ymail.com

ई.एस.टी.ई/ई.2024/893

दिनांकः 13/08/24

रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियां, हरियाणा
पंचकूला।

विषयः– हरकोफैड के निदेशक मण्डल द्वारा दिनांक 08.07.2024 की बैठक में पारित रेजुलेशन 19 को अनुमोदित करने बारे।

महोदय जी,

हरकोफैड द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में सहकारी संस्थाओं के विज्ञापन एवं सहकारी बैंकों की बैलंस शीटें आदि प्रकाशित की जाती है। पत्रिका में प्रकाशित विज्ञापन, बैलेंस शीट तथा वार्षिक चन्दें 2009 में बढ़ाई गई थी। परन्तु अब पेपर का भाव तथा अन्य सामग्री में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस लिये इन दरों को बढ़ाना आवश्यक हो गया है।

हरकोफैड के निदेशक मण्डल की बैठक दिनांक 08.07.2024 में उपरोक्त रेट बढ़ाने सम्बन्धी प्रस्ताव रखा गया था। निदेशक मण्डल ने रेजुलेशन न0 19 के द्वारा हरियाणा सहकारी प्रकाश में प्रकाशित विज्ञापन, बैलेंस शीट व वार्षिक चन्दें की दरें बढ़ाने पर विचार किया तथा निम्न अनुसार बढ़ाई गई हैं। यह बढौतरी Subject to the approval of Registrar Co-op. Societies, Haryana है :– सलंग्न निदेशक मण्डल द्वारा दिनांक 08.07.2024 की बैठक में पारित प्रस्ताव न0 19 की प्रति।

क्र0	वस्तु के नाम	मौजूदा दर	प्रस्तावित दर
1.	अतिरिक्त तुलन पत्र (Extra Balance Sheet)	22	45
2.	विज्ञापन टाईटल फूल पेज (Coloured)	14000	30000
3.	विज्ञापन फूल पेज (Coloured)	9000	20000
4.	विज्ञापन आधा पेज (Coloured)	....	10000
5.	विज्ञापन फूल पेज (Black and White)	6000	12000
5.	विज्ञापन आधा पेज (Black and White)	3000	6000
6.	वार्षिक सदस्यता	350	500
7.	प्रति कॉपी	30	50

अतः आपसे अनुरोध है कि निदेशक मण्डल द्वारा पारित प्रस्ताव न0 19 को उपरोक्त के दृष्टिगत अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

प्रबन्ध निदेशक

Grain Storage Programme in Cooperative Prospects for the Development of Agrarian Economy

India, with 11% of the world's cultivable land (16 crore hectares) and 18% of the global population (140 crore out of 790 crore), faces a critical challenge in ensuring food security. Despite being one of the world's largest producers of food grains, with 311 million tons produced annually as per FAO Statistical Data 2021, the country struggles with inadequate storage infrastructure. The total storage capacity of 145 million metric tons falls short by a staggering 166 million metric tons, highlighting a pressing need for expanded storage facilities.

The proposed plan advocates for the establishment of comprehensive agricultural infrastructure at the grassroots level through Primary Agriculture Credit Societies (PACS). This includes warehouses, custom hiring centers, processing units, and more, transforming PACS into multifunctional hubs. Such initiatives aim to significantly reduce food grain wastage, strengthen national food security, and empower farmers by enabling them to negotiate better prices for their produce.

Central to the objectives of this programme are:

- Decentralization of Grain Storage: Establishing decentralized storage facilities at PACS levels across India.
- Reduction of Post-Harvest Losses: Targeting a reduction of post-harvest losses from the current 6% through improved storage facilities.
- Cost Efficiency: Drastically reducing handling and transportation costs associated with multiple intermediaries.
- Prevention of Distress Sales: Empowering farmers to store their produce and sell at favorable prices, minimizing distress sales.
- Decentralized Procurement: Facilitating decentralized procurement by agencies like FCI and state governments.
- Hub and Spoke Model: Implementing a storage-based model to enhance distribution efficiency.

Furthermore, the programme offers substantial benefits to farmers:

1. Improved Financial Flexibility: Farmers can store their produce in PACS warehouses, securing bridge finance for subsequent crop cycles and selling at optimal market conditions or at Minimum Support Price (MSP), thus avoiding distress sales.
2. Access to Agri Inputs and Services: Accessible at the village level, facilitating ease of operations for farmers.
3. Diversified Income Streams: Opportunities for additional income through diversified business ventures.
4. Expanded Market Reach: Integration into the food supply chain, enabling access to broader markets and better price realization.
5. Reduced Post-Harvest Losses: Enhanced storage capacity at PACS levels to minimize losses and maximize profit margins for farmers.
6. Enhanced Food Security: Ensuring food security at the grassroots level, benefiting consumers across villages and panchayats nationwide.

In essence, the Grain Storage Programme in Cooperative presents a transformative opportunity to fortify India's agricultural landscape. By leveraging the extensive network and credibility of PACS, it promises to not only mitigate food insecurity but also drive economic empowerment at the grassroots level.

Dr. K. P. Ranjan, Director, RICM, Chandigarh

I HATE POLYTHENE

स्थाई : प्रदूषण का करो खात्मा, पर्यावरण बचाणा सै
I Hate Polythene का नारा जन जन तक पहुंचाणा सै

अंतरा : यू जहर घोलरया वायु जल में, जीवन नै कठोर करै
सांस के जरिए हर इंसान नै, अंदर तै कमजार करै
थैला कपड़े का अपनाकै, जीवन स्वस्थ बणाणा सै
I Hate Polythene का नारा जन जन तक पहुंचाणा सै

अंतरा : गउ माता नै आज बचाओ, इस प्लास्टिक की माया तै
नहीं तो मुश्किल जीणा होगा, इस धरती की छाया पै
प्लास्टिक मुक्त का नारा देकै, जीवन सफल बणाणा सै
I Hate Polythene का नारा जन जन तक पहुंचाणा सै

अंतर : कूडा कचरा दूर करण का, जिम्मा सबनै ठाणा सै
सारा प्लास्टिक इकट्ठा करकै, Recycle करवाणा सै
सबका सपना भारत अपना, प्लास्टिक मुक्त कराणा सै
I Hate Polythene जन जन तक पहुंचाणा सै

I HATE POLYTHENE

कवि – सौरव अत्री, हरियाणवी लोक गायक एवं संस्कृति प्रचारक
1008–ए, सैक्टर–25, पंचकुला, 6280460371, 9646396508

सहकारिता विभाग, हरियाणा के सलाहकार श्री सिधार्थ शंकर शर्मा ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में NEW संसद में सहकारी समितियों में अवसरों पर व्याख्यान दिया

हरियाणा सरकार के सहकारिता विभाग के सलाहकार सिधार्थ शंकर शर्मा को 14 अगस्त 2024 को न्यू साउथ वेल्स (NEW) राज्य संसद, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। यह व्याख्यान, जिसका शीर्षक ''सहकारी समितियों में अवसर और सहकारी समितियों के बीच सहयोग'' है, NEW राज्य संसद के संसदीय सचिव के निमंत्रण पर आयोजित किया गया था।

सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में 24 से अधिक वर्षों के समृद्ध अनुभव के साथ, इन्होंने नवीन रणनीतियों के डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके भूमिकाओं में पंजाब सरकार के सहकारिता विभाग में दिसंबर 2018 से मार्च 2022 तक पेशेवर सलाहकार के रूप में सेवा करना शामिल है, जहाँ उन्होंने सरकारी आय और रोजगार सृजन से संबंधित नीतियों का सफलतापूर्वक निर्माण और कार्यान्वयन किया।

राज्य संसद की अपनी यात्रा के दौरान, इनका सहकारी क्षेत्र में महत्वपूर्ण संभावनाओं और सहकारी समितियों के बीच बेहतर सहयोग के लाभों को उजागर किया। उनका व्याख्यान उनके व्यापक अनुभव और सफल पहलों पर आधारित था, जो बाजार अनुसंधान, मजबूत व्यावसायिक मॉडलों का निर्माण और नए व्यावसायिक विकास की शुरुआत के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

दिनांक 30–08–2024 को हरकोप्रैस के तीन कर्मचारियों (श्री धर्म सिंह, पैकर, श्री जयबीर सिंह, इंकर और श्री गुरूप्रशाद, बाइंडर) की सेवानिवृति के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन करते हरकोप्रैस के अधिकारी व कर्मचारी।

विकसित व आत्मनिर्भर भारत का मार्ग है : स्वदेशी

-योगेश शर्मा, प्रबन्ध निदेशक, हाउसफैड
मो. 9467523666

राष्ट्र की आर्थिक उन्नति हेतु विदेशी कंपनियों के उत्पादों का बहिष्कार करना चाहिए। सूची के लिए पिछला अंक पढ़ें। इस अंक में भारतीय कंपनियों व उनके स्वामित्व वाले भारतीय उद्योगपतियों की सूची दी जा रही है। क्रय करते समय भारतीय उत्पादों को वरीयता दी जानी चाहिए।

Sr. No.	Indian Companies : Key Person	Sr. No.	Indian Companies : Key Persons
1.	Aditya Birla Fashion/Clothing : Peter England, Louis Philippe, Allen Solly, Pantaloons	29.	Jyothy Labs : MP Ramchandarn
2.	Amul: Cooperative : 36 Lakh milk producers	30.	Lakhani : KC Lakhani
3.	Baidyanath: Ram Narayan Sharma	31.	Lahori Zeera : Nikhil Doda, Saurabh Munjal
4.	Bajaj : Jamnalal Bajaj	32.	Liberty Shoes : Adesh Gupta
5.	Balaji : Chandu Bhai Virani	33.	Linc Pen : Soorajmal Jalan
6.	Bikaji: Shiv Ratan Aggarwal	34.	Lizzat : Shri Mahila Griha Udyog
7.	Bikano : Syam Sunder Aggarwal : Bikanerwala	35.	Luxor : D. K. Jain
8.	Britannia : Nusli Wadia group	36.	Marico : Harsh Mariwala
9.	Cantabil : Vijay Bansal	37.	MCNROE : Narender Doga
10.	Cavin Kare : C K Rangnathan	38.	Marvel Tea : Nitin Jain
11.	Cello : Ghisulal Rathod	39.	MDH : Mahashay Dhar mpal Chunnnilal Gulati
12.	Cobb apparels : Atul Singla	40.	Mrs Bector: Padam Shri Rajni Bector
13.	Colourplus : Neelam Kanodia	41.	Nirma : Karsan Bhai Patel
14.	Cornitos : Vikram Aggarwal	42.	Parle : Jayantilal Chauhan
15.	Country Delight : Chakradhar Gade, Nitin Kaushal: Food Brand	43.	Priya Gold : BP Aggarwal
16.	Cream bell : Devyani Food Industries	44.	Rakesh Masale : S P Chaudhary
17.	Dabur : Burman Family	45.	Raymond : Singhania
18.	Dawat Basmati Rice : Raghunath Arora	46.	Rupa Hosiery: P R Aggarwal
19.	Dixy Hoshiery : Prem Prakash Sikka	47.	Tata : Jamsetji Tata
20.	Dollar Underwear : Deen Dayal Gupta	48.	TTK Prestige : TT Krishnamachari
21.	DOMS : Rashiklal Raveshia	49.	TOPS tomato ketchup : BM Seth, Chand Seth
22.	Emami : R S Aggarwal & R S Goenka	50.	Veeba: Viraj Bahl
23.	Flair Pens : Khubilal Rathod	51.	VICCO : Vishnu Industrial Chemical Company
24.	Goldiee Masale : Su render Gupta, Som Prakash Goenka	52.	Vini Cosmetics : Patel
25.	Gowardhan Ghee: Parag Milk Foods: Devender Shah	53.	VIP Skybags : Dilip Piramal
26.	Haldiram's : Shiv Kishan Aggarwal	54.	Wiekifield : S P Malhotra
27.	India Gate Basmati Rice: KRBL Khushi Ram Bihari Lal	55.	Wipro : Azeem Premji
28.	ITC: Sanjiv Puri		

मेथी की काशत

सत्यजीत, महक नागोरा एवं रामेश्वर सिंह
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल

मेथी एक दलहनी फसल है जोकि पशु आहार एवं चारे के लिए उगाई जाती है। इसमें औषधीय गुण भी होते हैं जो कि पाचन क्रिया को व्यवस्थित करते हैं। मेथी की फसल को मसाले के रूप में उगाया जाता है। मेथी के पौधे और दाने दोनों का ही उपयोग खाने में करते है। इसकी हरी पत्तियों को सब्जी बना कर खाने में इस्तेमाल करते हैं। वही मेथी के दानो को दवाइयों, सौन्दर्य प्रसाधन के चीजों और अचार को बनाने के लिए मसाले के रूप में इस्तेमाल करते है। मेथी के दानो का इस्तेमाल करने से पेट सम्बंधित बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके दानो का इस्तेमाल पशुओ को खिलाने के लिए भी करते है जिस वजह से यह एक औषधीय फसल भी है। इसकी काश्त रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, सिरसा, हिसार एवं रोहतक जिले के कुछ भागों में सीमित सिंचाई वाले क्षेत्रों में की जाती है।

उन्नतशील किस्म

एच. एम. 65: इस किस्म की पत्तियां हरे रंग की होती हैं जिनके किनारे भी हरे रंग के होते हैं। इसके बीज मोटे तथा पीले रंग के होते हैं। यह सफेद चूर्णी रोग के लिए कुछ सहनशील है। यह 135 दिन में पकती है। इसकी बीज की औसत पैदावार 4.8–6.0 क्विंटल प्रति एकड़ है। सब्जी की फसल के लिए पूसा अर्ली बंचिंग, हिसार सोनाली, हिसार मुक्ता व कसूरी आदि उन्नत किस्मों का प्रयोग करें।

मिट्टी व खेत की तैयारी

मेथी की अच्छी फसल के लिए रेतीली बलुई दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। जल–भराव एवं लवणीय भूमि में इसकी खेती को नहीं किया जा सकता है। जल–भराव की स्थिति में इसके पौधों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। इसकी खेती के लिए भूमि की पी. एच. 5.5 से 8 के मध्य होनी चाहिए। गहरी जुताई करने से खेत की मिट्टी में हवा का संचार होता है जिससे जड़ों के विकास में मदद मिलती है। खेत की गहरी जुताई करने के बाद पलेवा करें। पलेवा (रौनी) करने के बाद जब खेत बत्तर में आये तो दो सीधी एवं आड़ी जुताइयां करें तथा प्रत्येक जुताई के बाद खेत में सुहागा लगाएं।

बीज मात्रा व बिजाई का समय

हल्की भूमि के लिए 6 किलोग्राम तथा मध्यम किस्म की भूमि के लिए 8 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त रहता है। अक्तूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक बावल क्षेत्र एवं 20 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक हिसार क्षेत्र के लिए बिजाई का उपयुक्त समय है। बिजाई पोरा विधि से कतारों में 30 सैं. मी. की दूरी पर करें। बिजाई से पहले बीज का जीवाणु खाद (राइजोटीका व फोस्फोटीका) से उपचार करें।

खाद की मात्रा व देने का समय

अच्छी पैदावार के लिए खाद खादों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें। साधारण दशा में 8 किलोग्राम नत्रजन (17.5 कि.ग्रा. यूरिया) तथा 16 किलोग्राम फास्फोरस (100 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) प्रति एकड़ बिजाई से पहले या बिजाई के समय ड्रिल करें।

निराई-गोड़ाई

अच्छी उपज प्राप्त करने के लिएफसल की निराई–गुड़ाई करना अति आवश्यक है। बिजाई के 30–35 दिन बाद पहली निराई करें और यदि जरुरत पड़े तो दूसरी निराई पहली सिंचाई के बाद करें। इससे खेत में

खड़े खरपतवारों का नियंत्रण होता है तथा खेत में नमी का भी संरक्षण भी होता है।

सिंचाई प्रबन्ध

पानी की उपलब्धता व जरुरत के अनुसार दो सिंचाइयां बिजाई के क्रमशः 45 तथा 85 दिनों बाद करें। ध्यान रहे कि सिंचाई खारे पानी से न हो।

बीमारियों की रोकथाम

फूल आने तथा उसके बाद की दशा में सफेद रंग का फफूंद धब्बों के रूप में पत्तियों, तने एवं फलियों में दिखाई देता है। इसके प्रकोप से फसल की उपज घट जाती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर 0.2 प्रतिशत सल्फैक्स या 0.1 प्रतिशत कॅराथेन दवा का छिड़काव 10–15 दिन के अन्तराल पर करें।

हानिकारक कीट

मेथी की फसल में मुख्यतः बगला चेपा कीट का प्रकोप होता है। यह कीट छोटे आकार का होता है,जिसे माहू नाम से भी पुकारा जाता है। यह कीट देखने में काला, हरा, और पीला होता है। यह कीट समूह बना कर पौधों पर आक्रमण करते हैं, जो पौधों के कोमल भागो का रस चूस कर उसके विकास को पूरी तरह से रोक देता है। इस कीट की रोकथाम के लिए 300 मिली लीटर मैलाथियान 50 ई. सी. को 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिडकाव करें। ग्रसित टहनियों को तोड़कर नस्ट कर दें।

कटाई प्रबन्ध

बिजाई के लगभग 135–145 दिनों बाद फसल पक कर तैयार हो जाती है। फसल की कटाई सुबह के समय करें ताकि पकी फलियों से दाने निकल कर खेत में न गिरें।

शोक सूचना

श्री भीमसेन गुप्ता सेवानिवृत्ति उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां का आकस्मिक निधन

श्री भीमसेन गुप्ता का जन्म 1 जनवरी 1950 को गांव रामराए जिला जींद में लाला रामधन गुप्ता जी के घर हुआ । श्री भीमसेन गुप्ता ने कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई गांव रामराए के सरकारी स्कूल में करने के बाद स्नातक तक की पढ़ाई जींद से सन 1970 में पूर्ण की। श्री भीमसेन गुप्ता ने अप्रैल 1973 में निरीक्षक ,सहकारी समितियां, के पद पर करनाल में ज्वाइन किया। सन 1993 में सहायक रजिस्ट्रार ,सहकारी समितियां के पद पर पदोन्नत होकर कैथल, चंडीगढ़, हांसी , हिसार, महेंद्रगढ़, पलवल, भिवानी, सिरसा, रेवाड़ी, फरीदाबाद व डबवाली सेवाएं दी । सन 2007 में उप रजिस्ट्रार ,सहकारी समितियां पदोन्नत होकर गुड़गांव व रोहतक में सेवाएं दी । श्री भीमसेन गुप्ता का आकस्मिक निधन दिनांक 05–06–2024 को हो गया। विभाग के श्री राज सिंह राठी मुख्य लिपिक (सेवानिवृत्ति) ने यह जानकारी दी है।

कहानी

पागल

''खुदा जो भी करता है अच्छा ही करता है,, टैंशन मत लो नीलू'', कहकर हितेश ने बर्तनों से भरा बॉक्स 'नयी' किचन में रखा और फोर व्हीलर वाले का हिसाब करने नीचे चला गया। नीलू ने बक्से पर बंधी रस्सिया खोली और एक–एक बर्तन बड़ी सावधानी से अपने एकदम 'नए' महल के बावर्चीखाने को सजाने लगी। थकावट के कारण शरीर काम ने करने की जिद पर अड़ गया तो एक कुर्सी उठाकर बिखरे सामान को सरकाया और बैठकर आंखे मूंद ली। सोच ने दस्तक दी तो मन पूछने लगा कि आखिर आज खुदा ने क्या अच्छा किया है... अभी परसों तक जिस मोहल्ले में रह रहे थे, वहां सब कुछ ठीक ही चल रहा था कि हितेश को कहीं से खबर हुई थी कि जिस मकान में वे किराये पर रह रहे हैं, उसकी मालकिन ऊपर की बिल्डिंग में लड़कियों को पी.जी. हॉस्टल की आड़ में कुछ और ही 'सिखा' रही है, जो दुनिया की नजर में, उन जैसे नैतिकता से जीने वाले लोगों की नज़र में न केवल अनैतिक था, बल्कि आने वाले दिनों में उनकी जिन्दगी पर विपरित प्रभाव भी डालने वाला था। हितेश ने उस औरत को समझाना चाहा तो वो बिफर कर घर खाली करने की धमकी देने लगी थी। तब तक बुजुर्ग पड़ोसी ने सलाह दी कि इससे उलझना ठीक नहीं, जो लड़कियाँ यहाँ आती है, वे सब अपनी मर्जी से करती हैं। एक बार उसने भी पुलिस बुलाकर उसका पर्दाफाश करने की कोशिश की थी तो लड़कियों के माँ–बाप और मकान में कभी–कभी आने वाले उसके कथित पति ने बुजुर्ग को ही गाली–गलौच देकर सारे मोहल्ले में ये बात फैला दी थी कि वह ही आती–जाती लड़कियों को बुरी नजर से ताकत है।

सुनकर हितेश ने आनन –फानन में यह मकान देखा और आज सुबह अपना डेरा इस जगह डाल दिया..... । बहुत उबाल उठा था नीलू के मन में, तुनक पड़ी थी, 'आखिर कब तक यूं खानाबदोशों की तरह भटकते रहेंगे हम ? कब आयेगा वह दिन जब सामान से भरी गाड़ी हमारे अपने 'घर' उतरेगी ? कब तक हम इन किराये के मकानों में शरणार्थी बने रहेंगे ? 'हितेश ने सामान पैक करते वक्त आश्वासन दिया था कि बस इसके बाद वह किसी भी तरह प्लाट लेकर मकान बनायेगा या बना–बनाया घर लेगा। सुनकर नीलू ने खामोशी साथ ली थी.......आखिर सब तो जानती थी वह। हितेश की प्राइवेट नौकरी और उसकी ट्यूशन वगैरह के पैसे मिलाकर माँ–बाप को गाँव में भेजने के बाद जो बचता है वह राशन, किराये और बड़े बेटे की पढ़ाई पर खर्च हो जाता है.......जो जोड़–तोड़ लगाकर बचता है वह इतना नहीं कि प्लाट या मकान आ सके। गाँव में नौकरी की वजह से रह पाना असम्भव है।

'अरे सो गयी क्या मम्मा..' बड़े बेटे ने नीलू की गोद में सिर रख दिया। पीछे हितेश भी आ गये गोद में छोटू था। अलसाई सी नीलू ने बेटे को प्यार किया, छोटू को पास पड़ी दरी पर बैठा दिया और हितेश के साथ सामान सामान्य होने लगा। पिछले मकान में हुई ' अनहोनी' को नीलू भूलने लगी। नया माहौल, नये चेहरे दिन–ब–दिन जानकार से लगने लगे। मकान मालिक भले–मानुष थे। उनकी बेटी स्कूल से आकर छोटू को खूब खिलाया करती और बेटा उसके बड़े बेटे के हम उम्र होने के कारण दोनों घुल–मिलने लगे।

सर्दियां होने के कारण मकान मालकिन धूप सेकने छत पर आ बैठती और मौहल्ले–पड़ोसी की जानकारी देकर अपना अनुभव नीलू के साथ बांटती। हितेश ऑफिस से आकर 'बड़े' का काम करवाता, छोटू से खेलता, नीलू से गप–शप करता, ऑफिस का बचा काम निपटाता और टी.वी. देखते–देखते नींद

की गिरफ्त में सपा जाता। सबने खुद को अपने–आप एडजस्ट कर लिया। कई मकानों में किरायेदार बनकर और कुछ न सही नीलू को नयी–नयी मोहल्ला संस्कृतियों को जानने का अवसर तो मिल ही जाता था पर इस जगह पर आकर ऐसा कुछ नहीं हुआ था, क्योंकि यहाँ उसे ट्युशन के बच्चे नहीं मिल पाये थे। बाकी जगहों पर तो 'बाल–गोपालों' की माएं जब उन्हें नीलू के पास ट्यूशन पर छोड़ने आती तो उनके किस्सों से ही आस–पास की भाषा–संस्कृति और स्टेटस का अंदाजा उसे सहज ही हो जाया करता था।

बच्चों को छोड़ते समय और लेने आते वक्त प्रत्येक औरत उसे कुछ न कुछ मसाला खबर जरूर सुनाकर जाती। पर यहाँ के बारे में नीलू इतना ही जान पायी थी कि आसपास की औरतें ब्याह–शादियों में रोटियां बनाकर दूसरों के घरों में झाडू–पोछे लगाकर और आम आदमी रिक्शा–रेहड़ियों से अपने बच्चों का पेट भरते हैं, वे क्या अपने बच्चों को ट्यूशन पढ़ा पायेंगे... वे उन्हें सरकारी स्कूलों में भी मुश्किल से भेजते हैं क्योंकि यदि बच्चे स्कूल चले जाये तो घर का काम कैसे होगा। सुनकर नीलू को तरस भी आता पर खुद का 'घर'चलाने की चिन्ता भी होती। चिन्ता के इस घुन को हटाने के लिये वह हितेश से रोज कहती

कि वह किसी स्कूल या ऑफिस में उसके लायक छोटी–मोटी जॉब ढूंढे पर हितेष यह कहकर उसे समझा लेता कि जॉब पर जाने के बाद छोटू को रखने की दिक्कत आयेगी। सुनकर नीलू चुप हो जाती है। ऐसे ही एक महीना बीत गया उन्हें यहां आये हुये।

एक दिन गली के मोड़ पर अचानक कुछ लोगों की भीड़ देखकर नीलू का दिल किसी आशंका से बैठने लगा। जोर–जोर की आवाजों ने उसके पांव बरबस ही उस तरफ खींच लिये। छोटू को गोद में उठाकर वह नीचे उतरी, देखा मकान–मालकिन भी वहीं जाने के लिये चप्पल पहन रही थी। दोनों वहाँ पहुँची तो देखा एक आदमी जो दिखने में मरियल बदसूरत सा था पुलिस उसको हथकड़ी डालकर ले जा रही थी और वह सफाई दे रहा ाि कि उसकी 'जनानी' झूठी है पागल है, उसने कुछ नहीं किया। वह बेकसूर है। भीड़ में खड़े आदमी दबे स्वर में पुलिस वालों से उसे छोड़ने को कह रहे थे पर सब औरतें उसे गालियां दे रही थीं। वे चाहती थीं कि पुलिस वाले उसे कड़ी सजा दें ताकि वह ऐसा 'घिनौना' कार्य फिर न करने पाये। एक उम्रदराज औरत ने इंस्पेक्टर से कहा, 'पागल इसकी जनानी न है साहब....' उस भोली को तो इसने मार–पीट के पागल कर दिया है। आज इसने अपनी धियां के साथ जो सलूक करया है, कल मोहल्ले की धी–बेटियां नै भी बक्सेगा।

बूढ़ी औरत के घरवाले ने घूरवाले ने घूरकर उसे चुप करा लिया और बांह पकड़ के खींचता हुआ बोला–'तनै क्या लेना बावली किसी के घर तै चल अंदर ! आदमियों के बीच में बीरमानी के बोलने का कोई काम नहीं।' आदमियों के बीच में बीरबानी के बोलने का कोई काम नहीं।' मर्दानगी के जोर से झूकी औरत बेचारी जबरन घर में धकेले दी गयी। 'पागल' के नाम से संबोधित वह, जिसने पुलिस में अपने आदमी को पकड़वा दिया था। वह अब भी चिल्ला रही थी, पति को गालियां दे रही थी। भीड़ में से कुछ की 'दाद' पा रही थी तो कुछ की आलोचना का शिकार हो रही थी। तभी एकदम पास की कोठरी से दो मासूम किशोरियां रोती हुई निकली और अपनी माँ को किसी तरह अंदर ले गयी। वह उन दोनों बच्चियों से लिपटकर कभी रोती, कभी उन्हें चूमती। बीच–बीच में चिल्लाकर छाती पीटती ...'दलाल' कहीं का मेरी बच्चियों नै बेचेगा, मनै पागल समझे है, बुरा काम करेगा... काट दयूंगी... हूँ...ह कुत्ता...भड़वा...'थूकती हुई कोठरी में चली गई। औरतों ने घर की राह ली, मर्दों ने दिहाड़ी का रास्ता देखा।

नीलू को कुछ भी समझ न आ रहा था। उसने घर आकर मकान मालकिन की तरफ प्रश्न भरी निगाह उठायी तो वह बोली–'बेटी, बड़ी दर्दनाक कहानी है इसकी ....ऊपर चलो धूप में सुलावेंगे। 'मैं यंत्रवत् उसके पीछे चल पड़ी। दिमाग में वो दो प्यारी सुंदर–सी बच्चियां और उनकी मां धूम–धूम कर विचलित किये जा रही थी। नीलू ने फोल्डिंग बिछाकर कपड़ा बिछाया, को लिटा कर आंटी के लिये कुर्सी लायी और उन्हें बिठाकर दो कप चाय बनाने किचन में खड़ी हुई। आंटी बिठाकर दो कप चाय बनाने किचन में खड़ी हुई। आंटी के ना–नुकर करने के बाद भी उसने पानी चढ़ा ही दिया क्योंकि इतने शोर–शराबे और भीतर की खामोशी के दो विपरित चक्करों ने उसका सिर भारी कर दिया था। आखिर वह बोलती भी क्या ? यहां किसी के बारे में इतना जानती ही नहीं थी कि भीड़ में शामिल हो कोई टिप्पणी कर पाती, लेकिन फिर भी जाने क्यूँ...? उस पगली की बातों से उसे सच्चे दर्द का अहसास हो रहा था।

पता नहीं क्यूँ , पहली बारे देखने मात्र से ही वह कोमल–सी आंखों से बोलती बच्चियां और उनकी 'पागल' मां उसे प्रभावित कर गई थी। सब–कुछ जानने को अधीर नीलू ने एक कप आंटी को पकड़ाया और खुद लेकर बैठ गई। चाय पीते–पीते आंटी ने बात शुरू की। उनके एक–एक शब्द में 'पागल' कहलाने वाली 'अबला' के जुल्मों का बयान था। हाँ वह शुरू से पागल नहीं थी। जब 'कलुआ' उसे ब्याह कर लाया था तो वह सारे मोहल्ले की सबसे सुन्दर बहू बनकर आयी थी। कलुआ उसके रूप का लोभी बन बहुत दिनों तक काम पर भी नहीं गया। नज़दीक ही मंडी में काम पर जाने वाले कलुआ की वासना से तंग आयी रोशनी ने उसे कई बार समझाया किन्तु वह नहीं माना, घर में राशन–पानी की दिक्कत हुई तो रोषनी ने मोहल्ले की औरतों के साथ काम पर जाना शुरू कर दिया। दो जन कलुआ और रोशनी, घर रोशनी की कमाई से चलने लगा और कलुआ 'हराम' हो गया। उसके जाते ही अपने जैसे लफंगों की महफिल जमाता, ताश खेलता, पैग लगाता। लफंगे चोर नज़रों से रोशनी को तकते और इशारा पाने के चक्कर में कलुआ को पिला–पिला कर बेहोश कर देते है।

रोशनी सब समझती थी। वह अपनी 'इज्जत' बचाने की खातिर कलुआ से न पीने की विनती करती, वह उसे मारता। वह तो खुद चाहता था कि उसकी कमाई दोस्तों की दारू और उसका पेट भरती रहे, भले ही लोग उसकी बीवी की इज्जत से ही खेल जायें। सालों बीत गये, सब कुछ सहा उसने, पर अपनी पवित्रता भंग न होने दी। समय ने उसकी गोद में दो नन्हीं कलियां डाली। कलुआ दोनों के जन्म से नाराज उसे और ज्यादा प्रताडित करने लगा। वह तो उन्हें अपना खून मानने को भी तैयार नही था। बेटे की चाहत ने उसे पियक्कड़ से वहशी बना दिया। जैसे–जैसे बेटियाँ बड़ी होने लगी, रोशनी ने उन्हें अपना सहारा बना लिया। उन्हें पढ़ाने लगी, उनकी हर जरूरत का ध्यान रखती। कलुआ आता तो कोठरी का दरवाजा बंद कर बेटियों को गोद में छुपा लेती क्योंकि जिस घर में उसने अपनी इज्जत को मुश्किल से संभाला, वहां बच्चियों को बचाना बहुत मुश्किल था। कोई भी बीच में बोलता तो कलुआ दोस्तों की जिसने मंडली की धमकी देकर डरा देता। एक दिन वह घटना घटी जिसने रोशनी को पागल कर दिया। अंधेरी रात में रोशनी की आंख लगी तो बड़ी बेटी

लघुशंका के लिए बाहर बने टूटे–फूटे स्नानघर में जाने लगी तो किसी से टकरा गयी–टकराने वाले ने उसका मुंह बन्द करना चाहा तो वह घबराकर चीख उठी। चीख ने को जगा दिया। उसने लालटेन जगाई, दूसरी बेटी को उठाया और बाहर निकल गई। मां को देख लड़की उस अनजान कैद से छूट पड़ी। रोशनी ने उसे सीने से लगा लिया। लालटेन ऊपर की तो सन्न रह गई। सामने कलुआ खड़ा था, पीछे उसका कोई लफंगा यार।

रोशनी ने माजरा समझा माथा पीटा, कलुआ को गालियां देने लगी तो उसने पास खड़ी दरांती रोशनी के सिर पर चला दी और उस लफंग के साथ वहाँ से भाग गया। पड़ोस की दाई ने उसके माथे पर मरहम पट्टी की। कुछ दिन में जख्म भर गये पर रोशनी कभी न ठीक होने वाले पागलपन की गलियों में भटन गयी। दिमागी सदमें व चोट ने उसे हिला दिया। काम–काज, समझदारी सब उसके पागलपन की भेंट चढ़ गये। लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया। कलुआ एकाध बार आया तो रोशनी ने बांस से पीट–पीटकर उसे अधमरा कर भगा दिया। मोहल्ले की औरतों के राशन से तीनों मां–बेटियों का पेट कब तक भरता.....? बड़ी लड़की मां की जगह काम करने लगी। मासूम के कंधों पर गृहस्थी का अनचाहा बोझ पड़ गया। बेटियों की सेवा से एक साल बाद रोशनी थोड़ा–बहुत ठीक हो गयी। भले ही उसे कुछ नहीं पता, पर वह अपनी बेटियों का एतबार अब भी नहीं करती। एक दो दिन पहले कलुआ फिर आ धमका था। सुना है उसने बेटियों को किसी हके साथ बेचने की योजना बनायी थी, जिसकी खबर शायद उस पगली को ही गयी थी और उसने पुलिस को खबर दी होगी या शायद किसी लड़की ने ही बाप के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई हो।

आंटी बोलती जा रही थी, नीलू सुनकर जीम–सी जा रही थी। उसके सामने रोशनी के साथ–साथ एक और चेहरा घूम रहा था.......उस औरत का जो अपनी मर्जी से न केवल अपनी, बल्कि कुछ मासूमों की जिन्दगी व इज्जत दांव पर लगा रही थी। नीलू सोच रही थी–पागल कौन है ? वह औरत, रोशनी, कलुआ या हम जैसे तमाशबीन जो और की इज्जत दांव पर लगती देख बस भीड़ का हिस्सा बनते हैं........करते कुछ नहीं। काश ! रोशनी जैसा साहस भगवान हर पागल को दे ताकि वह अपनी बेटियों की इज्जत का तमाशा बनाने वले लोगों को सलाखों के पीछे पहुंचा पाये। फिर उसने निश्चय किया कि हितेश के राय से रोशनी की बेटियों को दो घंटे रोज पढ़ाया करेगी ताकि वे पढ़–लिखकर कुछ बन सकें व अपनी जिन्दगी को इस दलदल से निकाल सके। शाम को नीलू ने हितेश को सारी घटना बतायी और अपने निश्चय के बारे में भी। हितेश ने इस बात पर सहमति की मोहर लगायी और नीलू को फिर पति की बाद याद आ गयी। 'खुदा जो भी करता है अच्छा ही करता है. ... हां शायद खुदा ने इसीलिये उन्हें इस मोहल्ले में भेजा कि उस 'पागल–साहसी औरत की बेटियों की जिन्दगी में कुछ 'अच्छा' हो सके। नीलू ने खुदा का धन्यवाद किया कि चलो औरत होने के नाते वह कुछ तो कर पायेगी।

दिनांक 30.08.2024 को हरकोफैड द्वारा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालका के विद्यार्थियों को कोपरेटिव सोसाइटीज़ का विद्यार्थी भ्रमण करवाया गया। कालका विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजकुमार आर्य, हरकोफैड की शिक्षा अनुदेशक, पंचकूला श्रीमती निधि मलिक सहित विद्यालय के अध्यपाकगण एवं विद्यार्थी।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
इफको नैनो यूरिया एवं
इफको नैनो डीएपी का वादा,
उपज अधिक और लाभ ज्यादा
500 मिली
₹600/- में
500 मिली
₹225/- में
NANO DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
NANO UREA
LIQUID (4% N w/v)
CROP NUTRITION REDEFINED
Environment Friendly
Growth Enhancer
Yield Booster
One Bottle is Equal to One Bag of Urea
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
अधिक जानकारी के लिए निकटतम सहकारी समिति या इफको किसान सेवा केंद्र से सम्पर्क करें।
आज ही ऑर्डर करें : www.iffcobazar.in
आर्डर करने के लिए
स्कैन करें

हरकोफैड की प्रबंध निदेशक, श्रीमती सुमन बल्हारा सहकारिता विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अंकुर गुप्ता जी को पौधा भेंट करते हुए।

हरकोफैड द्वारा राजकीय बहुतनीकी संस्थान पंचकूला में 'एक पेड़ शहीद' के नाम पौधा रोपण कार्यक्रम में सहकारिता विभाग हरियाणा के मुख्य सर्तकता अधिकारी श्री राजिन्द्र कुमार मलिक, हरकोफैड की प्रबंध निदेशक सहित हरकोफैड के अधिकारी व कर्मचारी एवं राजकीय बहुतनीकी संस्थान के प्रधानाचार्य व अध्यापकगण।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264